एक्सप्रेसवे होंगे और सुरक्षित

आगरा-लखनऊ समेत तीन एक्सप्रेसवे को बनाया जाएगा जीरो फैटलिटी जोन

अशोक मिश्रा

लखनऊ। यातायात निदेशालय ने आगरा एक्सप्रेसवे समेत तीन एक्सप्रेस वे को जीरो फैटलिटी जोन (शून्य मृत्यु क्षेत्र) बनाने की कवायद शुरू कर दी है। सबसे पहले आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से इसकी शुरुआत होगी। इसके बाद यमुना और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को सुरक्षित बनाया जाएगा। दिल्ली की तर्ज पर सेव लाइफ फाउंडेशन व अन्य संस्थाओं की मदद से इस कार्ययोजना को अमली जामा पहनाया जाएगा।

एडीजी यातायात बीडी पॉल्सन ने बताया कि तीनों एक्सप्रेसवे पर 4-ई यानी इंजीनियरिंग, इंफोर्समेंट, इमरजेंसी सर्विस और एजूकेशन के जरिए दुर्घटनाओं को रोका जाएगा। इससे दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या को न्यूनतम किया जा सकता है। वर्तमान में आगरा-लखनऊ और यमुना एक्सप्रेसवे में हर 50 किमी की दूरी पर जीवन रक्षक उपकरणों वाली एंबुलेंस की तैनाती की जा रही है, जिससे घायलों को तत्काल नजदीकी ट्रॉमा सेंटर भेजा जाता है। इससे घायलों की जान बचाने में मदद मिल रही है। अब एक्सप्रेसवे के ब्लैक स्पॉट और दुर्घटना बाहुल्य स्थानों को भी रोड इंजीनियरिंग से सुधारा जाएगा। उल्टी दिशा से वाहन आने और ओवरलोडिंग पर भी सख्ती होगी। स्पीड रडार के जरिए एक्सप्रेसवे पर तेज गति से गाड़ी चलाने पर जुर्माना लगेगा।

बता दें कि आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर जुर्माना वसूलने की व्यवस्था पहले से लागू है, जिससे हादसों में करीब 50 फीसदी की कमी दर्ज की गयी है। हालांकि, तमाम सख्ती के बावजूद यमुना एक्सप्रेसवे पर होने वाले हादसों की संख्या कम नहीं हो रही है। वर्ष 2022 में यमुना एक्सप्रेसवे पर 303 हादसे हुए थे, जो वर्ष 2023 में बढ़कर 378 हो गए। इसमें 89 लोगों की मौत हो गयी थी।

इसका भी रखा जाएगा ध्यान

- कोहरे से गाड़ियों का आपस में टकराना
- एक्सप्रेसवे पर पशुओं के आने से हादसा
- हर 100 किमी पर चालकों को रुकने के लिए प्रेरित करना
- हर दो घंटे के सफर के बाद कैंटीन, वॉशरूम की सुविधा

यातायात निदेशालय ने शुरू की कवायद

ब्लैक स्पॉट व दुर्घटना संभावित क्षेत्र होंगे सुरक्षित, हर 50 किमी पर रहेगी एंबुलेंस

5800 चौराहों एवं तिराहों को भी किया चिह्नित

एडीजी ने बताया कि यातायात निदेशालय ने राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर 5800 खतरनाक चौराहों एवं तिराहों को भी चिह्नित किया है। दरअसल, प्रदेश में सड़क दुर्घटना से होने वाली 70 फीसदी मौतों की वजह गलत तरीके से बने चौराहे और तिराहे हैं। इसमें से दो-तिहाई हादसे राष्ट्रीय राजमार्ग से राज्य राजमार्ग को जोड़ने वाले चौराहों एवं तिराहों पर होते हैं। यातायात निदेशालय ने जीपीएस लोकेशन के जरिए इन्हें चिह्नित करने के बाद थानावार बांटा है, ताकि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और पीडब्ल्यूडी की मदद से इन्हें सुधारा जा सके।